

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर दौसा

पीठासीन अधिकारी : राजवीर सिंह चौधरी, आर.ए.एस.

प्रकरण संख्या : 127/2017 राजस्व अपील

1. प्रभू पुत्र श्रवण जाति गुर्जर निवासी पिपलकी तहसील सिकराय जिला दौसा

अपीलान्त

बनाम

1. राजस्थान सरकार जरिए तहसीलदार सिकराय जिला दौसा।

रेस्पोंडेन्ट




अपील विरुद्ध निर्णय उप तहसीलदार सिकन्दरा दिनांक 24.09.2015 उनवानी प्रकरण
सरकार बनाम प्रभू गुर्जर मु.न. 300/2015 अ.धारा 91 रा.भू.रा. अधि.

उपस्थिति : श्री पदम सिंह गुर्जर, अधिवक्ता अपीलान्त उप0।
: राजकीय अधिवक्ता उपस्थित।

:- निर्णय :-

दिनांक: 14.02.2018

संक्षिप्त में अपील के तथ्य इस प्रकार से हैं कि पटवारी हल्का द्वारा अपीलान्त के विरुद्ध अधीनस्थ न्यायालय में एक रिपोर्ट इस आशय की पेश की कि अपीलान्त अतिक्रमी द्वारा ग्राम पिपलकी तहसील सिकराय में स्थित राजकीय चरागाह भूमि खसरा नंबर 110/2 रकबा 5 बीघा पर बाजरा की काशत कर अतिक्रमण कर लिया है तथा अतिक्रमी का भूमि पर कब्जा पश्चातवर्ती है। उक्त रिपोर्ट के आधार पर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलान्त अतिक्रमी के विरुद्ध भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत कार्यवाही कर अपीलान्त अतिक्रमी को अतिक्रमित आराजी से दिनांक 24.09.2015 को बेदखल कर 50 गुणा शास्ति कायम के साथ ही 60 दिवस के सिविल कारावास की सजा से भी दण्डित कर दिया गया। अधीनस्थ न्यायालय के उक्त आदेश दिनांक 24.09.2015 से व्यथित होकर अपीलान्त द्वारा यह अपील पेश की गई है।


अति० जिला कलक्टर
दौसा

अपील पेश होने पर दर्ज रजिस्टर कर तलबी रेस्पोजेन्ट की गई व अधीनस्थ




न्यायालय का अभिलेख तलब कर बहस अधिवक्ता उभयपक्ष सुनी गई।

बहस के दौरान अधिवक्ता अपीलान्ट ने अपील के तथ्य दोहराते हुए निवेदन किया कि अधीनस्थ न्यायालय का प्रश्नगत निर्णय विधि विरुद्ध एवं प्रक्रिया नियमों के विधेरीत होने के कारण निरस्तनीय है। अधीनस्थ न्यायालय ने बिना कोई जांच किये बिना अपीलांट को सुनवाई व सबूत का अवसर दिये व बिना पटवारी हल्का से जिरह का अवसर दिये बिना व बिना कोई अन्य कोई स्वतंत्र साक्ष्य लिए पटवारी हल्का की रिपोर्ट को सही मानकर निर्णय पारित किया है। निर्णय अधीनस्थ न्यायालय निरस्तनीय है। अपीलान्ट के पश्चातवर्ती अतिक्रमी होने से संबंधित कोई दस्तावेजात पत्रावली में उपलब्ध नहीं है। अपीलान्ट का किसी चरागाह भूमि पर अतिक्रमण नहीं है। अतः अपील अपीलान्ट स्वीकार की जाकर प्रश्नगत निर्णय खारिज फरमाया जावे।

जवाब बहस के दौरान राजकीय अधिवक्ता ने निवेदन किया कि अपीलान्ट अतिक्रमी द्वारा ग्राम पिपलकी तहसील सिकराय में स्थित राजकीय चरागाह भूमि खसरा नंबर 110/2 रकबा 5 बीघा पर अतिक्रमण करने पर अपीलान्ट अतिक्रमी के विरुद्ध भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत कार्यवाही कर अपीलान्ट अतिक्रमी को अतिक्रमित आराजी से दिनांक 24.09.2015 को बेदखल कर 50 गुणा शास्ति कायम के साथ ही 60 दिवस के सिविल कारावास की सजा से भी दण्डित किया गया है। पटवारी हल्का की रिपोर्ट अनुसार अपीलांट पश्चातवर्ती अतिक्रमी है।

हमने बहस अधिवक्ता उभयपक्ष पर मनन किया व पत्रावली का अवलोकन किया। पत्रावली में प्राप्त अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से यह तथ्य प्रमाणित है कि पटवारी हल्का की रिपोर्ट के आधार पर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलान्ट के विरुद्ध भूराजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत कार्यवाही कर उक्त प्रश्नगत निर्णय पारित किया गया है। अधिवक्ता अपीलान्ट द्वारा निवेदन किया गया की अपीलान्ट को बिना सुनवाई व सबूत का अवसर दिये ही प्रश्नगत निर्णय दिनांक 24.09.2015 अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित कर दिया गया। ऐसी स्थिति में प्रकरण उप तहसीलदार सिकन्दरा को रिमाण्ड किया जाना हम उचित समझते हैं।

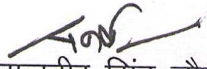

अति० जिला कलेक्टर
देसा

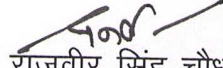
प्रकरण संख्या : 127/2017 राजस्व अपील

उपरोक्त विवेचन के आधार पर अधीनस्थ न्यायालय उप तहसीलदार सिकन्दरा द्वारा प्रकरण में पारित प्रश्नगत आदेश दिनांक 24.09.2015 को निरस्त किया जाकर प्रकरण उप तहसीलदार सिकन्दरा को इस आशय के साथ रिमाण्ड किया जाता है कि वास्तविक अतिकमी को सुनवाई व सबूत का अवसर दिया जाकर विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए विधि सम्मत निर्णय पारित करे। निर्णय की प्रति के साथ अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली लौटाई जावे। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर प्रविष्ट लेख भण्डार हो।



निर्णय आज दिनांक 14.02.2018 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बाद मेरे हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय की मुद्रा से खुले न्यायालय मे सुनाया गया।


(राजवीर सिंह चौधरी)
अति० जिला कलेक्टर, दौसा


(राजवीर सिंह चौधरी)
अति० जिला कलेक्टर, दौसा